VEER NARMAD SOUTH GUJARAT UNIVERSITY
University Campus, Udhna-Magdalla Road, SURAT - 395 007, Gujarat, India
વીર નર્મદ દક્ષિણ ગુજરાત યુનિવર્સિટી
યુનિવર્સિટી કેમ્પસ, ઉધના મગદલ્લા રોડ, સુરત - ૩૯૫ ૦૦૭, ગુજરાત, ભારત
Tel: +91 - 261 - 2227141 to 2227146, Toll Free: 1800 2333 011, Fax: +91 - 261

-: પરિપત્ર :-

વિનયન વિદ્યાશાખા હેઠળની સંલગ્ન હિન્દી વિષય ચલાવતી અનુસ્નાતક કોલેજોનાં આચાર્યશ્રીઓને જણાવવાનું કે, શૈક્ષણિક વર્ષ ૨૦૨૦–૨૧ થી અમલમાં આવનાર હિન્દી વિષયનો એમ.એ. સેમેસ્ટર–૧ થી ૪ ના અભ્યાસક્રમ અંગે હિન્દી વિષયની અભ્યાસસમિતિની તા.૨૫/૦૨/૨૦૨૦ની સભાનાં ઠરાવ ક્રમાંકઃ ૨ અન્વયે નીચે મુજબ ભલામણ કરેલ છે જે ભલામણ વિનયન વિદ્યાશાખાની મંજૂરીએ અપેક્ષાએ વિનયન વિદ્યાશાખાવતી વિનયન વિદ્યાશાખાનાં અધ્યક્ષશ્રીએ મંજૂર કરી એકેડેમિક કાઉન્સિલને ભલામણ કરેલ છે જે એકેડેમિક કાઉન્સિલવતી માનનીય કુલપતિશ્રી ધ્વારા મંજૂર કરેલ છે. તેની જાણ સંબંધકર્તા શિક્ષકો અને વિદ્યાર્થીઓને કરવી,તદ્ઉપરાંત તેનો અમલ કરવો.

હિન્દી વિષયની અભ્યાસસમિતિની તા.૨૫/૦૨/૨૦૨૦ની સભાનાં ઠરાવ ક્રમાંકઃ ૨

:: આથી ઠરાવવામાં આવે છે કે, શૈક્ષણિક વર્ષ ૨૦૨૦–૨૧ થી અમલમાં આવનાર એમ.એ. સેમેસ્ટર–૧ થી ૪ નો અભ્યાસક્રમ જરૂરી સુધારા–વધારા સાથે સર્વાનુમતે મંજૂર કરી તે મંજૂર કરવા વિનયન વિદ્યાશાખાને ભલામણ કરવામાં આવે છે.

(બિડાણઃ ઉપર મુજબ)

ક્રમાંકઃએકે/પરિપત્ર/૬૨૬૯/૨૦૨૦
તા.૧૧/૦૮/૨૦૨૦

ઈ.ચા. કુલસચિવ

પ્રતિ,

૧. વિનયન વિદ્યાશાખાનાં અધ્યક્ષશ્રી,
૨. વિનયન વિદ્યાશાખા હેઠળની હિન્દી વિષયની તમામ અનુસ્નાતક કોલેજ આચાર્યશ્રીઓ
૩. પરીક્ષા નિયામકશ્રી, પરીક્ષા વિભાગ, વી.ન.દ.ગુ.યુનિવર્સિટી, સુરત.

......જાણ તથા અમલ સારૂ.

परिशिष्ट-4

वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय, सुरत

एम.ए. हिंदी

सेमेस्टर-I

(2020– 2021, 2021-2022 एवम् 2022-2023 के शैक्षिक वर्षों के लिए)

प्रश्नपत्र - 1 प्राचीन एवम् मध्यकालीन काव्यCore Course-01

पाठ्य-पुस्तकें :1. विद्यापति पदावली - संपा.डॉ. सुरेन्द्र दीक्षित (प्रकाशक-जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)

2. जायसी-ग्रंथावली -संपा. आचार्य रामचंद्र शुक्ल (नागरी प्रयारिणी सभा, वाराणसी)

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र :

इकाई-1. विद्यापति पदावली : (17 से 50 क्रमांक पदावलियाँ)

विद्यापति पदावली में यौवन –उद्गम का चित्रण।

विद्यापति पदावली में वर्णित सौन्दर्य चित्रण, विद्यापति काव्य का कलात्मक पक्ष।

इकाई-2. जायसी- पद्मावत :

'पद्मावत' में इतिहास और कल्पना, 'पद्मावत' में प्रबंधात्मकता, प्रेमाभिव्यंजना, रहस्यवाद, अन्योक्ति अथवा समासोक्ति और दार्शनिकता , 'पद्मावत' में विरह-वर्णन |

इकाई-3. भक्तिकालः हिंदी साहित्य का सुवर्ण युग, विद्यापति पदावली में प्रेमानुभूति, विद्यापति पदावली में श्रृंगार चित्रण |

इकाई-4. हिंदी सूफी काव्य परंपरा , हिंदी सूफी काव्य परंपरा में जायसी का स्थान।

'पद्मावत' में प्रकृति-चित्रण, 'पद्मावत' काव्य-सौष्ठव।

अंक-विभाजनः

प्रश्न 1. पठित इकाईयों से दस बहुविकल्पी प्रश्न (10×1=10 अंक)

प्रश्न 2 और 3. इकाई 1 और 2 से एक – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 अंक)

प्रश्न 4. इकाई 3 और 4 से एक – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) और (ब)(07 x 2 = 14 अंक)

सहायक ग्रंथ :

1. हिंदी साहित्य का आदिकाल-डॉ.हजारीप्रसाद द्विवेदी
2. भारतीय प्रेमाख्यान काव्य-डॉ. हरिकांत श्रीवास्तव
3. जायसी-एक नई दृष्टि-डॉ.रघुवंश (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
4. हिंदी के प्राचीन कवि-डॉ.द्वारिकाप्रसाद सक्सेना (विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा)
5. महाकवि जायसी और उनका काव्य-डॉ.इकबाल अहमद
6. पद्मावत का अनुशीलन-इन्द्रचन्द्र नारंग (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
7. जायसी ग्रंथावली-संपा.आचार्य रामचंद्र शुक्ल (नागरी प्रचारिणी सभा, काशी)
8. हिंदी साहित्य का इतिहास-आचार्य रामचंद्र शुक्ल (नागरी प्रचारिणी सभा, काशी)
9.विद्यापति पदावली-रामवृक्ष बेनीपुरी (राजकमल पकाशन, नई दिल्ली)
10.विद्यापति-जनार्दन मिश्र(रामनारायण लाल, इलाहाबाद)

25/07/2020

प्रश्नपत्र -2. भारतीय काव्यशास्त्र एवम् साहित्यालोचन Core Course-02

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

इकाई-1. रस-सिद्धांत -रस का स्वरूप, रस-निष्पत्ति, रस के अंग, साधारणीकरण, सहृदय की अवधारणा।

अलंकार –सिद्धांत की मूल स्थापनाएँ, अलंकारों का वर्गीकरण।

इकाई-2. रीति-सिद्धांत- रीति की अवधारणा, काव्य-गुण, रीति एवम् शैली, रीति-सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएँ।

वक्रोक्ति -सिद्धांत -वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति के भेद, वक्रोक्ति एवम् अभिव्यंजनावाद।

व्यावहारिक समीक्षा -किसी काव्यांश की स्वविवेक के अनुसार समीक्षा।

इकाई-3. ध्वनि -सिद्धांत -ध्वनि का स्वरूप, ध्वनि-सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएँ, ध्वनि काव्य के प्रमुख भेद,गुणीभूत व्यंग्य, चित्र काव्य।

इकाई-4. औचित्य -काव्य -प्रमुख स्थापनाएँ, औचित्य के भेद।

हिंदी कवि -आचार्यों का काव्य-शास्त्रीय चिंतन -लक्षण-काव्य-परंपरा एवम् कवि-शिक्षा।

अंक-विभाजन :

प्रश्न 1. पठित इकाईयों से दस बहुविकल्पी प्रश्न (10×1=10 अंक)

प्रश्न 2 और 3. इकाई 1 और 2 से एक – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 अंक)

प्रश्न 4. इकाई 3 और 4 से एक – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) और (ब)(07 x 2 = 14 अंक)

सहायक ग्रंथ :

1. रस-सिद्धांत-डॉ.नगेन्द्र (नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली)
2. रस-सिद्धांत की दार्शनिक और नैतिक व्याख्या-डॉ.तारकनाथ बाली (विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा)
3. भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका-डॉ.नगेन्द्र
4. अभिनव का रस विवेचन-नगीनदास पारेख
5. समीक्षा लोक-भगीरथ दीक्षित
6. भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा-डॉ.नगेन्द्र
7. साहित्य काव्य-विमर्श-डॉ.राममूर्ति त्रिपाठी (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)
8. भारतीय एवम् पाश्चात्य काव्य सिद्धांत-डॉ.गणपतिचंद्र गुप्त (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
9. हिंदी आलोचना का विकास-नंदकिशोर नवल
10. काव्य के तत्त्व-देवेन्द्रनाथ शर्मा (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)

==========

25/07/2020

प्रश्नपत्र - 3. प्रयोजनमूलक हिंदी – भाग : 1 Core Course-03

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

इकाई-1. कामकाजी हिंदी एवम् पत्रकारिता:

रोजगार के क्षेत्र में प्रयोजनमूलक हिंदी की संभावनाएँ।
पारिभाषिक शब्दावली- स्वरूप एवम् महत्व, पारिभाषिक शब्दावली- निर्माण के सिद्धांत।
पत्रकारिता- स्वरूप एवम् विभिन्न प्रकार।
सूचना प्रौद्योगिकी का स्वरूप।

इकाई-2. हिंदी कंप्यूटिंग:

कम्प्यूटर- परिचय, रूपरेखा, उपयोग तथा क्षेत्र। वेब पब्लिशिंग का परिचय।
इंटरनेट संपर्क उपकरणों का परिचय, प्रकार्यात्मक , रख-रखाव एवम् इंटरनेट समय मितव्ययिता के सूत्र,

इकाई-3. हिंदी कंप्यूटिंग :

इंटरनेट एक्सप्लोइट अथवा नेटस्केप , लिंक, ब्राउजिंग, ई-मेल भेजना-प्राप्त करना,
हिंदी के प्रमुख इंटरनेट पोर्टल, डाउनलोडिंग-अपलोडिंग, हिंदी सॉफ्टवेयर पैकेज।

इकाई-4. समाचार-लेखन :

समाचार-अवधारणा,परिभाषा, बुनियादी तत्व, संरचना (घटक), समाचार का मूल्य।
संवाददाता की भूमिका, महत्त्व,श्रेणी, कार्य एवम् व्यवहार-संहिता।

रिपोर्टिंग के क्षेत्र और प्रकार।

लीड- अर्थ,प्रकार, विशेषता,महत्त्व।
शीर्षक- अर्थ,प्रकार,लिखने की कला,महत्त्व।

अंक-विभाजन-

प्रश्न 1. पठित इकाईयों से दस बहुविकल्पी प्रश्न (10×1=10 अंक)
प्रश्न 2 और 3. इकाई 1 और 2 से एक – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 अंक)
प्रश्न 4. इकाई 3 और 4 से एक – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) और (ब)(07 x 2 = 14 अंक)

सहायक ग्रंथ :

1. प्रयोजनमूलक हिंदी- कमल कुमार बोस (क्लासिकल पब्लिशिंग कम्पनी, दिल्ली)
2. हिंदी पत्रकारिता-कृष्ण बिहारी मिश्र (भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली)
3. प्रयोजनमूलक हिंदी और पत्रकारिता-डॉ.दिनेश प्रसाद सिंह (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)
4. राजभाषा प्रशासनिक शब्दकोश-डॉ.एस.त्यागी (भारत भारती, दिल्ली)
5. प्रारूपण, टिप्पण और प्रूफ पठन-डॉ.भोलानाथ तिवारी (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)
6. कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग-विजयकुमार मल्होत्रा
7. संपादन कला एवम् प्रूफ पठन-डॉ.हरिमोहन
8. समाचार फीचर लेखन एवम् संपादन कला--डॉ.हरिमोहन
9. पत्रकारिता:विविध विधाएँ-डॉ.राजकुमारी रानी (जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
10. रेडियो और दूरदर्शन पत्रकारिता-डॉ.हरिमोहन
11. आधुनिक विज्ञापन और जन संपर्क-डॉ.तारेश भाटिया
12. पत्रकारिता में अनुवाद की समस्याएँ-डॉ.भोलानाथ तिवारी

==========

25/07/2020

प्रश्नपत्र - 4. A. आधुनिक हिंदी काव्य Core Course-04

पाठ्य-पुस्तकें :

1. प्रियप्रवास – अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'
2. उर्वशी - रामधारीसिंह 'दिनकर'

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र :

इकाई- 1. प्रियप्रवास – अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

'प्रियप्रवास' में विश्व कल्याण की कामना,

'प्रियप्रवास' का महाकाव्यत्व,'प्रियप्रवास' - एक विरह काव्य,

'प्रियप्रवास' के पात्र- कृष्ण और राधा,

'प्रियप्रवास' में अभिव्यक्त मनोवैज्ञानिकता, 'प्रियप्रवास' का भाव पक्ष और कला पक्ष।

इकाई-2. उर्वशी - रामधारीसिंह 'दिनकर'

'उर्वशी' के सांस्कृतिक आधार, युगीन आदर्श, दार्शनिकता,

'उर्वशी' की प्रबंधात्मकता, उर्वशी और पुरुरवा का चरित्र- चित्रण।

'उर्वशी' प्रेम और सौन्दर्य का काव्य, 'उर्वशी' का भाव पक्ष और कला पक्ष।

इकाई-3. द्विवेदीयुगीन काव्य में अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' का स्थान

'प्रियप्रवास' के गौण पात्र।

इकाई-4. राष्ट्रवादी कविता और 'दिनकर','उर्वशी' के गौण पात्र।

अंक-विभाजनः

प्रश्न 1. पठित इकाईयों से दस बहुविकल्पी प्रश्न (10×1=10 अंक)

प्रश्न 2 और 3. इकाई 1 और 2 से एक – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 अंक)

प्रश्न 4. इकाई 3 और 4 से एक – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) और (ब)(07 x 2 = 14 अंक)

सहायक ग्रंथ :

1. हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ – डॉ. जयकिशन प्रसाद खंडेलवाल
2. हिंदी साहित्य का इतिहास – रामचंद्र शुक्ल
3.छायावाद-डॉ.नामवर सिंह(राजकमल प्रकाशन प्रा.लि.नई दिल्ली)
4 आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास-डॉ.बच्चन सिंह (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
5.युग चारण दिनकर – सावित्री सिन्हा
6. दिनकर का काव्य –डॉ. द्वारिका प्रसाद सक्सेना
7. हिंदी का गद्य-साहित्य-डॉ. रामचंद्र तिवारी

==========

25/07/2020

अथवा

प्रश्नपत्र -4. B. छायावाद Core Course-04

पाठ्य-पुस्तकें: 1. आँसू - जयशंकर प्रसाद
2. ग्राम्या – सुमित्रानंदन पन्त (लोकभारती प्रकाशन, इलाहबाद)

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र:

इकाई-1. आँसू - जयशंकर प्रसाद :
छायावाद की एक प्रमुख रचना : 'आँसू',
'आँसू' का आलम्बन तथा काव्य-रूप , 'आँसू' : एक विरह – काव्य,
'आँसू' में प्रकृति – चित्रण, 'आँसू' का भाव और कला पक्ष |
इकाई-2. ग्राम्या – सुमित्रानंदन पन्त :
'ग्राम्या' एक श्रेष्ठ ग्राम्य गीत के रूप में, 'ग्राम्या' में सामाजिक यथार्थ का चित्रण,
'ग्राम्या' में मानवतावादी चित्रण, 'ग्राम्या' में नारीवाद, 'ग्राम्या' का भाव और कला पक्ष |
इकाई-3 .छायावाद में प्रसाद का स्थान
छायावाद के प्रवर्तक, छायावाद का ऐतिहासिक महत्व।
इकाई-4. छायावाद की प्रमुख विशेषताएँ, छायावाद के पतन के कारण
छायावादी काव्य और सुमित्रानंदन पन्त।
अंक-विभाजनः
प्रश्न 1. पठित इकाईयों से दस बहुविकल्पी प्रश्न (10×1=10 अंक)
प्रश्न 2 और 3. इकाई 1 और 2 से एक – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 अंक)
प्रश्न 4. इकाई 3 और 4 से एक – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) और (ब)(07 x 2 = 14 अंक)
सहायक ग्रंथ :
1. जयशंकर प्रसाद-आचार्य नंददुलारे वाजपेयी (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
2. निराला-संपा. डॉ.विश्वनाथ प्रसाद तिवारी (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
3. सुमित्रानंदन पंत-आनंद प्रकाश दीक्षित
4. पंत की काव्य-भाषा-डॉ.कांता पंत (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
5. छायावाद-डॉ.नामवर सिंह(राजकमल प्रकाशन प्रा.लि.नई दिल्ली)
6. निराला-डॉ.रामविलास शर्मा (राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली)
7. हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ – डॉ. जयकिशन प्रसाद खंडेलवाल
8. हिंदी साहित्य का इतिहास – रामचंद्र शुक्ल

==========

25/07/2020

प्रश्नपत्र – 5. विशिष्ट युग प्रवृति अध्ययन : आदिकाल Core Course-05

पाठ्य-पुस्तकें : 1. सन्देश रासक - अब्दुल रहमान संपा.हजारीप्रसाद द्विवेदी-विश्वनाथ त्रिपाठी (राजकमल प्रकाशन, दिल्ली)

2. ढोला मारू रा दूहा – कुशल लाभ संपा.रामसिंह, सूर्यकिरण पारीक, नरोत्तम स्वामी (राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर)

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र :

इकाई-1. सन्देश रासक - अब्दुल रहमान :

कवि अब्दुल रहमान का परिचय , 'सन्देश रासक' : आदिकाल की एक प्रमुखरचना, 'सन्देश रासक' का कथानक, 'सन्देश रासक' : विरह-वर्णन, ऋतु-वर्णन , 'सन्देश रासक' का भाव-पक्ष और कला-पक्ष |

इकाई-2. ढोला मारू रा दूहा –कुशल लाभ

'ढोला मारू रा दूहा': एक श्रेष्ठ मुक्त काव्य, 'ढोला मारू रा दूहा' में श्रृंगार-चित्रण, 'ढोला मारू रा दूहा': सौंदर्य-चित्रण, ढोला और मालवणी, 'ढोला मारू रा दूहा': काव्य-सौष्ठव, 'ढोला मारू रा दूहा' में मारवणी का विरह-वर्णन ।

इकाई-3. अपभ्रंशः अर्थ और स्वरूप, साहित्यिक भाषा के रूप में अपभ्रंश का विकास, अपभ्रंश काव्य-प्रबंधात्मक, मुक्तक, नीति, वीर और श्रृंगार काव्य-धाराएँ अपभ्रंश और हिंदी काव्य का संबंध ।

इकाई-4. आदिकाव्य की साहित्यिक प्रवृति-ऐतिहासिक,श्रृंगारिक एवम् लौकिक काव्य। आदिकाव्य की शिल्प-गत विशेषताएँ-कथानक-शैलियाँ एवम् रूढियाँ,गेयता, काव्य-रूप एवम् भाषा।

अंक-विभाजन-

प्रश्न 1. पठित इकाईयों से दस बहुविकल्पी प्रश्न (10×1=10 अंक)

प्रश्न 2 और 3. इकाई 1 और 2 से एक – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 अंक)

प्रश्न 4. इकाई 3 और 4 से एक – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) और (ब)(07 x 2 = 14 अंक)

सहायक ग्रंथ :

1. हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ – डॉ. जयकिशन प्रसाद खंडेलवाल
2. हिंदी साहित्य का इतिहास – रामचंद्र शुक्ल
3. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास-डॉ.रामकुमार वर्मा (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
4. हिंदी साहित्य का आदिकाल-डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी (वाणी प्रकाशन,इलाहाबाद)
5. हिंदी का गद्य-साहित्य-डॉ. रामचंद्र तिवारी
6. हिंदी गद्य का विकास-डॉ.प्रसाद
7. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास-डॉ.बच्चन सिंह

==========

25/07/2020

वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय, सुरत
एम.ए. हिंदी
सेमेस्टर- 2
(2020– 2021, 2021-2022 एवम् 2022-2023 के शैक्षिक वर्षों के लिए)

प्रश्नपत्र – 6. प्राचीन एवम् मध्यकालीन काव्य Core Course-06

पाठ्य पुस्तकें :

1. उत्तरकाण्ड : (रामचरितमानस) - तुलसीदास
2. घनानंद कवित्त : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र (१ से ५० कवित्त) (संजय बुक सेन्टर, वाराणसी)

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

इकाई-1. बालकाण्ड :

'उत्तरकाण्ड' का काव्य-स्वरूप, 'उत्तरकाण्ड' का वस्तु-विधान, 'उत्तरकाण्ड' के प्रमुख पात्र, 'उत्तरकाण्ड' में रामकथा का उपसंहार,'उत्तरकाण्ड' का भाव और कला-पक्ष।

इकाई-2. घनानंद कवित्त :

'प्रेम की पीर' के कवि घनानंद, घनानंद की भक्ति-भावना, घनानंद के काव्य की विशेषताएँ।

इकाई-3. भक्तिकालः सगुण भक्ति-धारा और तुलसीदास :

रामभक्ति-धाराः उद्भव और विकास।

इकाई-4. रीतिकालीन काव्य-धाराएँ ।

रीतिकालीन स्वच्छन्द काव्यधारा में घनानंद का स्थान।

अंक-विभाजनः

प्रश्न 1. पठित इकाईयों से दस बहुविकल्पी प्रश्न (10×1=10 अंक)

प्रश्न 2 और 3. इकाई 1 और 2 से एक – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 अंक)

प्रश्न 4. इकाई 3 और 4 से एक – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) और (ब)(07 x 2 = 14 अंक)

सहायक ग्रंथ :

1. तुलसी-संपा. उदयभानु सिह
2. तुलसी की साधना-आचार्य विश्वनाथप्रसाद मिश्र
3. गोस्वामी तुलसीदास- आचार्य रामचंद्र शुक्ल
4. तुलसीदास-नंदकिशोर नवल (राजकमल प्रकाशन प्रा.लि. दिल्ली)
5. तुलसीदास-संपा.डॉ.विश्वनाथ तिवारी (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
6. घनानंद और स्वच्छंद काव्य-धारा-डॉ.मनोहर गौड
7. घनानंद का काव्य-डॉ.रामदेव शुक्ल (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
8. घनानंद का काव्य-शिल्प- डॉ.लखनपाल सिंह

==========

25/07/2020

प्रश्नपत्र -7. पाश्चात्य काव्यशास्त्र एवम् साहित्यालोचन Core Course-07

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

इकाई-1 प्लेटो - काव्य-सिद्धांत , अरस्तू - अनुकरण-सिद्धांत, लोंजाइनस - उदात्त की अवधारणा , ज्योर्ज लुकाच की यथार्थवादी दृष्टि और साहित्य रूप।

इकाई-2 ड्राईड्रन के काव्य – सिद्धांत, वड्र्सवर्थ -काव्य-भाषा का सिद्धांत , हॉरिस का काव्य-चिंतन कॉलरिज -कल्पना-सिद्धांत और ललित-कल्पना, मैथ्यू आर्नल्ड -आलोचना का स्वरूपऔर प्रकार्य

इकाई-3 टी.एस.इलियट-परंपरा की परिकल्पना और वैयक्तिक प्रज्ञा, निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत,वस्तुनिष्ठसमीकरण, संवेदनशीलता का असाहचर्य, आई.ए.रिचड्र्स - रागात्मक अर्थ, संवेगों का संतुलन, व्यावहारिक आलोचना।एफ.आर.लीविस-एक आलोचक के रूप में और सैमुअल जॉनसन की साहित्यिक मान्यताएँ।

इकाई-4. सिद्धांत और वाद-शास्त्रवाद,नव्यशास्त्रवाद, स्वच्छंदतावाद, अभिव्यंजनावाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवादतथाअस्तित्ववाद-सामान्य परिचय व विशेषताएँ।

आधुनिक समीक्षा की विशिष्ट प्रवृत्तियाँ-संरचनावाद, शैली-विज्ञान, विखंडनवाद, उत्तर आधुनिकतावाद-सामान्य परिचय व विशेषताएँ।

अंक-विभाजन-

प्रश्न 1. पठित इकाईयों से दस बहुविकल्पी प्रश्न (10×1=10 अंक)

प्रश्न 2 और 3. इकाई 1 और 2 से एक – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 अंक)

प्रश्न 4. इकाई 3 और 4 से एक – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) और (ब)(07 x 2 = 14 अंक)

सहायक ग्रंथ :

1. अरस्तू का काव्यशास्त्र-डॉ.नगेन्द्र
2. काव्य में उदात्त-तत्व-डॉ.महेन्द्र चतुर्वेदी
3. उदात्त के बारे में-डॉ.निर्मला जैन
4. पाश्चात्य काव्य-शास्त्र की परंपरा-डॉ. नगेन्द्र
5. पाश्चात्य काव्यशास्त्र-डॉ.भगीरथ मिश्र
6. पाश्चात्य साहित्य-चिंतन-संपा.निर्मला जैन,कुसुम बाँठिया (राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली)
7. कार्ल मार्क्स-कला और साहित्य-चितन-संपा.डॉ.नामवर सिंह
8. उत्तर आधुनिकता और उत्तर संरचनावाद-सुधीश पचौरी (हिमाचल प्रकाशन भंडार,दिल्ली)
9. उत्तर आधुनिकता-कुछ विचार-संपा.देव शंकर नवीन तथा मिश्र (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)
10. उत्तर आधुनिकःसाहित्यिक विमर्श-सुधीश पचौरी

25/07/2020

प्रश्नपत्र - 8 प्रयोजनमूलक हिंदी : भाग – 2Core Course-08

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

इकाई–1. मीडिया लेखन:

जनसंचार- प्रौद्योगिकी एवम् चुनौतियाँ।

विभिन्न जनसंचार माध्यमों का स्वरूप-मुद्रण, दृश्य-श्रव्य, इंटरनेट।

साहित्य की विधाओं का दृश्य माध्यमों में रूपांतरण।

इकाई- 2. न्यू एवम् सोशल मीडिया :

न्यू मीडियाः अभिप्राय एवम् विविध रूप।

सोशल मीडियाः माध्यम का स्वरूप-एक अपरंपरागत मीडिया

सोशल मीडिया के प्रकार-ट्विटर, व्हाट्सएप, फेसबुक, इंस्टाग्राम

सोशल मीडिया का प्रभाव-सामाजिक, राजनीतिक,सांस्कृतिक, शैक्षिक।सोशल मीडिया की भाषा।

इकाई-3. अनुवाद - सिद्धांत एवम् व्यवहार:

अनुवाद का स्वरूप, क्षेत्र, प्रक्रिया एवम् प्रविधि।

हिंदी की प्रयोजनीयता में अनुवाद की भूमिका।कार्यालयी हिंदी और अनुवाद।

इकाई-4. व्यावहारिक -अनुवाद-अभ्यास :

व्यावहारिक -अनुवाद-गुजराती या अंग्रेजी से हिंदी में।

कार्यालयी अनुवाद- कार्यालयी एवम् प्रशासनिक शब्दावली, प्रशासनिक प्रयुक्तियाँ, पदनाम, विभाग।

पदनामों, अनुभागों, दस्तावेजों, प्रतिवेदनों के अनुवाद, सारानुवाद।

अंक-विभाजन- प्रश्न 1. पठित 1, 2 और 3 इकाईयों से दस बहुविकल्पी प्रश्न (10×1=10 अंक))

प्रश्न 2 और 3. इकाई 1 और 2 से एक – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 अंक)

प्रश्न 4. इकाई 3 में से (अ) एक टिप्पणी का प्रश्न (07 x 01 = 07 अंक)

इकाई 4 से (ब) एक – व्यावहारिक –अनुवाद (गुजराती या अंग्रेजी से हिंदी में) के साथ अथवा में एक कार्यालयी अनुवाद टिप्पणी का प्रश्न (07 x 01 = 07 अंक)

सहायक ग्रंथ :

1. प्रयोजनमूलक हिंदी- कमल कुमार बोस (क्लासिकल पब्लिशिंग कम्पनी, दिल्ली)
2. हिंदी पत्रकारिता-कृष्ण बिहारी मिश्र (भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली)
3. प्रयोजनमूलक हिंदी और पत्रकारिता-डॉ.दिनेश प्रसाद सिंह (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)
4. राजभाषा प्रशासनिक शब्दकोश-डॉ.एस.त्यागी (भारत भारती, दिल्ली)
5. प्रारूपण, टिप्पण और प्रूफ पठन-डॉ.भोलानाथ तिवारी (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)
6. अनुवाद-बोध-डॉ.गार्गी गुप्त
7. मीडिया और साहित्य-सुधीश पचौरी
8. अनुवाद-विज्ञान-डॉ.भोलानाथ तिवारी
9. मीडिया-लेखन-डॉ.चंद्रप्रकाश मिश्र (संजय प्रकाशन, दिल्ली)
10. रेडियो और दूरदर्शन पत्रकारिता-डॉ.हरिमोहन
11. आधुनिक विज्ञापन और जन संपर्क-डॉ.तारेश भाटिया
12. समाचार फीचर लेखन एवम् संपादन कला--डॉ.हरिमोहन
13. संपादन कला एवम् प्रूफ पठन-डॉ.हरिमोहन
14. सोशल नेटवर्किंगःकल और आज-राकेशकुमार (रीगी पब्लिकेशन

25/07/2020

प्रश्नपत्र - 9. A. आधुनिक हिंदी काव्य Course Course-09

पाठ्य-पुस्तकें: 1. संशय की एक रात – नरेश मेहता
2. युगधारा –नागार्जुन(यात्री प्रकाशन, दिल्ली)

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

इकाई-1. संशय की एक रात – नरेश मेहता

'संशय की एक रात'का काव्य- स्वरूप, 'संशय की एक रात'में आधुनिक मनुष्य की चिंता।

'संशय की एक रात' के राम,'संशय की एक रात' का सन्देश ,

'संशय की एक रात'का भाव पक्ष और कलापक्ष |

इकाई-2. युगधारा –नागार्जुन

युगधारा' में नागार्जुन की समाजवादी विचारधारा

'युगधारा' में चित्रित कृषक एवं श्रमिक वर्ग

'युगधारा' का भाव और कला-पक्ष।

इकाई-3. प्रयोगवादी एवम् नई कविता : प्रवर्तक और विशेषताएँ, महाप्रस्थान' के गौण पात्र |

इकाई-4. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी प्रबंध – काव्य- जनवादी काव्य, यथार्थवादी समकालीन काव्य

अंक-विभाजनः

प्रश्न 1. पठित इकाईयों से दस बहुविकल्पी प्रश्न (10×1=10 अंक)

प्रश्न 2 और 3. इकाई 1 और 2 से एक – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 अंक)

प्रश्न 4. इकाई 3 और 4 से एक – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) और (ब)(07 x 2 = 14 अंक)

सहायक ग्रंथ :

1. नरेश मेहता का काव्य-संवेदना और शिल्प- अमियचंद पटेल
2. नरेश मेहता का काव्य- विमर्श और मूल्यांकन- प्रभाकर शर्मा
3. नरेश मेहता कविता की ऊर्ध्वयात्रा- रामकमल राय
4. नयी काविता के प्रबंध काव्या- शिल्प और जीवन दर्शन- डॉ उमाकान्त गुप्त
5. श्री नरेश मेहता का काव्य-संवेदना, शिल्प एवं महनीयता- डॉ विजयलक्ष्मी मेहता-कन्सेप्ट पब्लीकेशन, नई दिल्ली
6. साठोत्तरी हिन्दी कविता में जनवादी चेतना,- नरेन्द्रसिंह (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)
7. समकालीन हिन्दी कविता- तिवारी, विश्वनाथप्रसाद (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
8. नागार्जुन का रचना संसार-विजय बहादुर सिंह (संभावना प्रकाशन)
9. आधुनिक कविता का पुनर्पाठ-करुणासंकर उपाध्याय (राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली)

25/07/2020

अथवा

प्रश्नपत्र - 9 . B. छायावाद Course Course-09

पाठ्य-पुस्तकें :

1. रश्मिबंध- सुमित्रानंदन पंत
2. राम की शक्ति पूजा - सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

इकाई- 1. पंतः साहित्यिक परिचय, 'रश्मिबंध'में प्रकृति-चित्रण
छायावाद और 'रश्मिबंध', 'रश्मिबंध'मेंनारी-भावना
'रश्मिबंध'एक गीतिकाव्य के रूप में, 'रश्मिबंध'का भाव और कला-पक्ष

इकाई- 2. 'राम की शक्ति पूजा' का काव्य-स्वरूप, 'राम की शक्ति पूजा' की पात्र-सृष्टि,
'राम की शक्ति पूजा' में रस-योजना और प्रकृति-चित्रण, 'राम की शक्ति पूजा' का कला-पक्ष,
'राम की शक्ति पूजा' एक कालजयी रचना।

इकाई- 3. छायावाद का ऐतिहासिक महत्व, हिंदी साहित्य में छायावाद का स्थान, छायावाद और पंत।

इकाई- 4. छायावाद के उद्भव और छायावाद के पतन के कारण। छायावाद में 'निराला' का स्थान।

अंक-विभाजनः

प्रश्न 1. पठित इकाईयों से दस बहुविकल्पी प्रश्न (10×1=10 अंक)

प्रश्न 2 और 3. इकाई 1 और 2 से एक – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 अंक)

प्रश्न 4. इकाई 3 और 4 से एक – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) और (ब)(07 x 2 = 14 अंक)

सहायक ग्रंथ :

1. निराला का काव्यःविविध संदर्भ-डॉ.मीरा श्रीवास्तव (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
2. निराला-संपा. डॉ.विश्वनाथ तिवारी (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
3. सुमित्रानंदन पंत-आनंद प्रकाश दीक्षित
4. पंत की काव्य-भाषा-डॉ.कांता पंत (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
5. छायावाद-डॉ.नामवर सिंह(राजकमल प्रकाशन प्रा.लि.नई दिल्ली)
6. निराला-डॉ.रामविलास शर्मा (राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली)
7. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास-डॉ.रामकुमार वर्मा (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
8. हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ-डॉ.जयकिशन प्रसाद खंडेलवाल (विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा)
9. आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास-डॉ.बच्चन सिह (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
10. हिंदी साहित्य का इतिहास-डॉ.लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय(लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
11. हिंदी का गद्य-साहित्य-डॉ. रामचंद्र तिवारी

==========

25/07/2020

प्रश्नपत्र – 10. दृश्य-श्रव्य माध्यम लेखन Core Course -10

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

इकाई-1 माध्यमोपयोगी लेखन का स्वरूप और प्रमुख प्रकार, हिंदी माध्यम लेखन का संक्षिप्त इतिहास, हिंदी के समक्ष आधुनिक जनसंचार और सूचना प्रौद्योगिकी की चुनौतियाँ।

इकाई-2 टी.वी. नाटक की तकनीक, संचार माध्यम के अन्य विविध रूप, टेली ड्रामा, टेली फिल्म, डाक्यूड्रामा तथा टी.वी.धारावाहिक में साम्य-वैषम्य । पटकथा का अर्थ और परिभाषा,पटकथा लेखन में प्रतिभा,कल्पना और अभ्यास का महत्त्व।

इकाई-3. रेडियो नाटक की प्रविधि, रंगनाटक, पाठ्यनाटक और रेडियो नाटक में अंतर। रेडियो नाटक के प्रमुख भेद-रेडियो धारावाहिक, रेडियो रूपांतर, रेडियो फैन्टेसी, संगीत रूपक, आलेख रूपक (डॉक्यूमेंट्री फीचर)।

इकाई-4 इलैक्ट्रॉनिक मीडिया द्वारा प्रसारित समाचारों के संकलन-संपादन और प्रस्तुतीकरण की प्रविधि।

संचार माध्यमों द्वारा प्रसारित विज्ञापनों की भाषा, विज्ञापन फिल्मों की प्रविधि, संचार माध्यमों की भाषा।

अंक विभाजन-

प्रश्न 1. पठित इकाईयों से दस बहुविकल्पी प्रश्न (10×1=10 अंक)

प्रश्न 2 और 3. इकाई 1 और 2 से एक – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 अंक)

प्रश्न 4. इकाई 3 और 4 से एक – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) और (ब)(07 x 2 = 14 अंक)

सहायक ग्रंथ :

1. मीडिया-लेखन-डॉ.चंद्रप्रकाश मिश्र (संजय प्रकाशन, दिल्ली)
2. दूरदर्शन की भूमिका-सुधीश पचौरी
3. जनसंचार-विविध आयाम-ब्रजमोहन गुप्त
4. मीडिया और साहित्य-सुधीश पचौरी
5. रेडियो और दूरदर्शन पत्रकारिता-डॉ. हरिमोहन
6. भारतीय इलैक्ट्रॉनिक मीडिया-देवव्रत सिंह (प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली)
7. मीडिया और बाजारवाद-रामशरण जोशी (राधाकृष्ण प्रकाशन)
8. फीचर लेखनःस्वरूप और शिल्प-डॉ.मनोहर प्रभाकर(राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली)
9. समाचार संपादन-कमल दीक्षित, महेश दर्पण (राधाकृष्ण प्रकाशन)
10. टेलीविज़न कार्यक्रम निर्माण प्रक्रिया-महाराज शाह (प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली)
11. इलैक्ट्रॉनिक मीडिया-पी.के.आर्य (प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली)

==========

25/07/2020

परिशिष्ट-5

वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय, सुरत

एम.ए. हिंदी

सेमेस्टर- 3

(2020-2021, 2021-2022, 2022-2023 के शैक्षिक वर्षों के लिए)

प्रश्नपत्र -11 भाषा–विज्ञान Core Course-11

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

इकाई-1.भाषा और भाषा -विज्ञान –

भाषा की परिभाषा और अभिलक्षण, भाषा-व्यवस्था और भाषा-व्यवहार, भाषा-संरचना और भाषिक -प्रकार्य. भाषा- विज्ञान-स्वरूप एवम् व्याप्ति, अध्ययन की दिशाएँ वर्णनात्मक, ऐतिहासिक और तुलनात्मक।

इकाई-2. स्वनप्रक्रिया - स्वन विज्ञान का स्वरूप और शाखाएँ, वागवयव और उनके कार्य, स्वन की अवधारणा और स्वनों का वर्गीकरण, स्वनगुण,स्वनिक परिवर्तन, स्वनिम विज्ञान का स्वरूप, स्वनिम की अवधारणा, स्वनिम के भेद, स्वनिम विश्लेषण।

इकाई-3.व्याकरण- रूप-प्रकिया का स्वरूप और शाखाएँ, रूपिम की अवधारणा और भेद-मुक्त-आबद्ध, अर्थदर्शी और संबंधदर्शी, संबंधदर्शी रूपिम के भेद और प्रकार्य, वाक्य की अवधारणा, अभिहितान्वयवाद और अन्विताभिधानवाद, वाक्य के भेद, वाक्य-विश्लेषण, निकटस्थ-अवयव विश्लेषण, गहन-संरचना और बाह्य-संरचना।

इकाई-4.अर्थविज्ञान -अर्थ की अवधारणा, शब्द और अर्थ का संबंध, पर्यायता, अनेकार्थता, विलोमता, अर्थ-परिवर्तन, साहित्य और भाषा -विज्ञान -साहित्य के अध्ययन में भाषा-विज्ञान के अंगों की उपयोगिता।

अंक-विभाजनः

प्रश्न 1. पठित इकाईयों से दस बहुविकल्पी प्रश्न (10×1=10 अंक)

प्रश्न 2 और 3. इकाई 1 और 2 से एक – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 अंक)

प्रश्न 4. इकाई 3 और 4 से एक – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) और (ब)(07 x 2 = 14 अंक)

सहायक ग्रंथ :

1. भाषा-विज्ञान-डॉ.भोलानाथ तिवारी (किताब महल, इलाहाबाद)
2. भाषा-विज्ञान की भूमिका-देवेन्द्रनाथ शर्मा (राधाकृष्ण प्रकाशन)
3. भाषा-विज्ञान-श्यामसुंदर दास (अनु प्रकाशन, जयपुर)
4. सामान्य भाषा-विज्ञान-डॉ.बाबूराम सक्सेना (हिंदी साहित्य सम्मेलन,प्रयाग)
5. भाषा-विज्ञान एवम् भाषा-शास्त्र-डॉ.कपिलदेव द्विवेदी (विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी)
6. भाषा-विज्ञान-सैद्धांतिक चितन- रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
7. समसामयिक भाषा- विज्ञान-डॉ.कविता रस्तोगी (सुलभ प्रकाशन, लखनऊ)
8. भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा का स्वरूप विकास-डॉ.देवेन्द्रप्रसाद सिंह (जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
9. भाषा-विज्ञान-डॉ.अशोक शाह

==========

25/07/2020

प्रश्नपत्र – 12. हिंदी साहित्य का इतिहास Core Course-12

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

इकाई- 1. इतिहास-दर्शन और साहित्येतिहास, हिंदी साहित्य के इतिहास की लेखन परंपरा, आधारभूत सामग्री और साहित्येतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएँ।
हिंदी साहित्य का इतिहास- काल-विभाजन, सीमा-निर्धारण और नामकरण।

इकाई- 2. हिंदी साहित्य-आदिकाल की पृष्ठभूमि, सिद्ध और नाथ साहित्य, रासो-काव्य, जैन-साहित्य।
हिंदी साहित्य के आदिकाल का ऐतिहासिक परिदृश्य, साहित्यिक प्रवृत्तियाँ, काव्य-धाराएँ, गद्य साहित्य, प्रतिनिधि रचनाकार और उनकी रचनाएँ।

इकाई- 3. भक्तिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, सांस्कृतिक-चेतना एवम् भक्ति-आंदोलन, विभिन्न काव्य-धाराएँ तथा उनका वैशिष्ट्य, प्रमुख निर्गुण संत कवि और उनका अवदान।
भारत में सूफी मत का विकास तथा प्रमुख सूफी कवि और काव्य-ग्रंथ, सूफी काव्य में भारतीय संस्कृति एवम् लोक-जीवन के तत्व।
राम और कृष्ण-काव्य, राम-कृष्ण-काव्येतर काव्य, भक्तितर काव्य, प्रमुख कवि और उनका रचनागत वैशिष्ट्य, भक्तिकालीन गद्य-साहित्य।

इकाई- 4. उत्तर मध्यकाल (रीतिकाल) की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, काल-सीमा और नामकरण, दरबारी संस्कृति और लक्षण-ग्रंथों की परंपरा, रीति कालीन साहित्य की विभिन्न धाराएँ- रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त की प्रवृत्तियाँ और विशेषताएँ, प्रतिनिधि रचनाकार और रचनाएँ, रीतिकालीन गद्य साहित्य।

अंक-विभाजनः

प्रश्न 1. पठित इकाईयों से दस बहुविकल्पी प्रश्न (10×1=10 अंक)

प्रश्न 2 और 3. इकाई 2 और 3 से एक – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 अंक)

प्रश्न 4. इकाई 1 और 4 से एक – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) और (ब) (07 x 2 = 14 अंक)

सहायक ग्रंथ :

1. हिंदी साहित्य का आदिकाल-डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी (वाणी प्रकाशन,इलाहाबाद)
2. हिंदी के विकास में अपभ्रंश का योग-डॉ.नामवर सिह
3. हिंदी साहित्य का अतीत-भाग-१-२-आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)
4. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास-डॉ.बच्चन सिह
5. हिंदी साहित्य का इतिहास-आचार्य रामचंद्र शुक्ल (नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी)
6. हिंदी साहित्य का इतिहास डॉ.नगेन्द्र (नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली)
7. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ-डॉ.नामवर सिंह (लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद)
8. हिंदी साहित्य-उद्भव और विकास-डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)
9. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास-डॉ.रामकुमार वर्मा (लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद)
10. हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ-डॉ.जयकिशन प्रसाद खण्डेलवाल (विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा)
11. हिंदी साहित्य का इतिहास-डॉ.लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय (लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद)
12. हिंदी साहित्य : इतिहास और प्रवृत्तियाँ-डॉ.शिवकुमार शर्मा

25/07/2020

प्रश्नपत्र -13. भारतीय साहित्य Core Course-13

पाठ्य-पुस्तकें :

1. मछुआरे (चेम्मीन)-तकषी शिवशंकर पिल्लै (मलयालम उपन्यास) प्रकाशक –साहित्य अकादमी, नई दिल्ली
2. श्री राधा- रमाकांत रथ (भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली)

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

इकाई- 1. मछुआरे (चेम्मीन) – तकषी शिवशंकर पिल्लै

तकषी शिवशंकर पिल्लै का व्यक्तित्व और कृतित्व,
'मछुआरे' के पात्र-परीक्कुट्टि, करुतम्मा, पलनि,चेम्पनकुंजु एवम् चक्कि का चरित्र- चित्रण,
'मछुआरे' में पिल्लै की यथार्थवादी विचारधारा, 'मछुआरे' में चित्रित समाज,
'मछुआरे' की कथन-शैली में मिथ और भाषा का प्रयोग।
'मछुआरे' में अभिव्यक्त मछुआरा जीवन।

इकाई 2. श्री राधा- रमाकांत रथ :

रमाकांत रथ का परिचय, 'श्री राधा' का मूल प्रतिपाद्य, 'श्री राधा' का काव्य-स्वरूप,
'श्री राधा' की पात्र-सृष्टि-राधा और श्रीकृष्ण, 'श्री राधा' में अभिव्यक्त प्रेम की एकांतिक स्थिति।

इकाई- 3 . भारतीय साहित्य -

भारतीय साहित्य का स्वरूप, भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ,
भारतीयता का समाजशास्त्र।

इकाई-4. भारतीय साहित्य की समस्याएँ-

भारतीय साहित्य में आज के भारत का बिंब, हिंदी साहित्य में भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति।

अंक -विभाजनः

प्रश्न 1. पठित इकाईयों से दस बहुविकल्पी प्रश्न (10×1=10 अंक)

प्रश्न 2 और 3. इकाई 1 और 2 से एक – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 अंक)

प्रश्न 4. इकाई 3 और 4 से एक – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) और (ब) (07 x 2 = 14 अंक)

सहायक ग्रंथ :

1.भारतीय साहित्य-डॉ.नगेन्द्र (प्रभात प्रकाशन, दिल्ली)
2.भारतीय साहित्य की भूमिका-डॉ.रामविलास शर्मा (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)
3.भारतीय साहित्यः स्थापनाएँ और प्रस्तावनाएँ- के.सच्चिदानंद (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)
4.भारतीय साहित्यः आशा और आस्था-डॉ.आरसु (राजकमल प्रकाशन, दिल्ली)
5.गुजराती नवलकथा-रघुवीर चौधरी एवम् राधेश्याम शर्मा (गुजरात ग्रंथ निर्माण बोर्ड, गांधीनगर)
6.भारतीय साहित्यः तुलनात्मक अध्ययन-सं.डॉ.ब्रजेश्वर वर्मा (विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा)
7.भारतीय उपन्यास परंपरा और ग्राम-केन्द्री उपन्यास- भोलाभाई पटेल (पार्श्व प्रकाशन,अहमदाबाद)
8.भारतीय साहित्य- डॉ.पाण्डेय-डॉ.अवस्थी (आशीष प्रकाशन, कानपुर)
9.हिंदी और भारतीय भाषा साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन-डॉ.राम छबीला त्रिपाठी
(वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली)

25/07/2020

प्रश्नपत्र - 14. A. आधुनिक गद्य साहित्य Core Course-14

पाठ्य-पुस्तकें : 1. भारत के अमर क्रांतिकारीः वीर सावरकर-डॉ.भवानसिंह राणा
(डायमण्ड पब्लिकेशंस, दिल्ली)
2. मैला आँचल - फणीश्वरनाथ 'रेणु' (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

इकाई- 1. वीर सावरकर- डॉ.भवानसिंह राणा
डॉ.भवानसिंह राणा का परिचय
एक सफल जीवनी के रूप में : 'वीर सावरकर'
वीर सावरकर: प्रथम क्रांतिकारी
'वीर सावरकर': एक हिंदू राष्ट्रवादी
'वीर सावरकर': में व्यक्त सावरकर-दर्शन।

इकाई- 2. मैला आँचल - फणीश्वरनाथ 'रेणु'
फणीश्वरनाथ 'रेणु' का साहित्यिक परिचय, 'मैला आँचल' में आँचलिकता,
'मैला आँचल' की कथा योजना, 'मैला आँचल' की पात्र सृष्टि, 'मैला आँचल' में लोक संस्कृति।

इकाई- 3 . जीवनी का स्वरूप।
'वीर सावरकर' शीर्षक की सार्थकता
'वीर सावरकर'का भाषा -शिल्प।

इकाई- 4. आँचलिक उपन्यासः उद्भव और विकास।
'मैला आँचल' में किस्सागोई, 'मैला आँचल' में सामाजिक और राजनीतिक स्थिति,
'मैला आँचल' शीर्षक की सार्थकता, 'मैला आँचल' का सन्देश।

अंक-विभाजनः

प्रश्न 1. पठित इकाईयों से दस बहुविकल्पी प्रश्न (10×1=10 अंक)

प्रश्न 2 और 3. इकाई 1 और 2 से एक – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 अंक)

प्रश्न 4. इकाई 3 और 4 से एक – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) और (ब) (07 x 2 = 14 अंक)

सहायक ग्रंथ :

1. हिंदी के आँचलिक उपन्यास-संपा.डॉ.रामदरश मिश्र (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)
2. हिंदी उपन्यास-एक अंतर्यात्रा-डॉ.रामदरश मिश्र (राजकमल प्रकाशन, दिल्ली)
3. समकालीन उपन्यासों का वैचारिक पक्ष-डॉ.अर्जुन चौहाण
4. हिन्दी उपन्यास का विकास-मधुरेश
5. आधुनिक हिन्दी उपन्यास : सं. डा. नरेन्द्र मोहन
6. आँचलिक उपन्यासों में ग्राम्य-जीवन-डॉ.उत्तम पटेल (शांति प्रकाशन, रोहतक)
7. वीर सावरकर-प्रेमचंद्र विद्याभास्कर (गोविन्दराम हासानंद,आर्य साहित्य भवन, दिल्ली)

25/07/2020

अथवा

प्रश्नपत्र - 14. B. हिंदी उपन्यास Core Course-14

पाठ्य-पुस्तकें : 1. गोदान – प्रेमचंद (राजपाल एण्ड सन्ज़, दिल्ली)
2. दीक्षा-नरेन्द्र कोहली (वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली)

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

इकाई-1 गोदान -प्रेमचंद:

उपन्यास सम्राट प्रेमचंद, प्रेमचंद की उपन्यास-कला, 'गोदान' –एक सामाजिक उपन्यास,
'गोदान' का कथा-शिल्प, 'गोदान' के मुख्य पात्रों का चरित्र चित्रण,
'गोदान' : किसान जीवन की महा कथा के रूप में।

इकाई-2 दीक्षा-नरेन्द्र कोहली:

ऐतिहासिक उपन्यासकार नरेन्द्र कोहली, 'दीक्षा' में राम-कथा की आधुनिक संदर्भ में प्रस्तुति।
'दीक्षा' का वस्तु-विन्यास, 'दीक्षा' के प्रमुख पात्र-राम, सीता,विश्वामित्र, सुमित्रा, अहल्या आदि।

इकाई-3 प्रेमचंदयुगीन हिंदी उपन्यास, 'गोदान' की भाषा-शैली, संवाद , उद्देश्य और शीर्षक।

इकाई-4 हिंदी के ऐतिहासिक उपन्यास, 'दीक्षा' की भाषा-शैली, संवाद, उद्देश्य और शीर्षक।

अंक-विभाजनः

प्रश्न 1. पठित इकाईयों से दस बहुविकल्पी प्रश्न (10×1=10 अंक)

प्रश्न 2 और 3. इकाई 1 और 2 से एक – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 अंक)

प्रश्न 4. इकाई 3 और 4 से एक – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) और (ब)(07 x 2 = 14 अंक)

सहायक ग्रंथ :

1. हिंदी उपन्यास-एक अंतर्यात्रा-डॉ.रामदरश मिश्र (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)
2. हिंदी उपन्यास-डॉ.सुषमा धवन (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)
3. हिंदी उपन्यास की प्रवृतियाँ-डॉ.शशिभूषण सिहल (विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा)
4. हिंदी उपन्यासः उपलब्धियाँ-डॉ.लक्ष्मीसागर वाष्णेय (राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली)
5. आधुनिकता और हिंदी उपन्यास-डॉ.इन्द्रनाथ मदान (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)
6. हिंदी उपन्यास का इतिहास-गोपाल राय (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)
7. प्रेमचंद-एक विवेचन-डॉ.इन्द्रनाथ मदान
8. प्रेमचंदः एक अध्ययन-राजेश्वर गुरु
9. एक व्यक्ति : नरेन्द्र कोहली- डॉ॰ विवेकी राय,, सम्पादनः कार्तिकेय कोहली, क्रिएटिव बुक कंपनी, दिल्ली-९
10. नरेन्द्र कोहली के उपन्यासों का अनुशीलन-डॉ.प्रदीप लाड, अभय प्रकाशन,
11. रामकथा कालजयी चेतना-के.सी.सिंधु, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
12. अभ्युदय-1-नरेन्द्र कोहली, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

==========

25/07/2020

प्रश्नपत्र – 15. लोक-साहित्य एवम् आदिवासी विद्रोह Core Course-15

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र:

इकाई-1 . लोक-संस्कृति: अवधारणा, लोक-वार्ता और लोक-संस्कृति, लोक-संस्कृति और साहित्य।

लोक-साहित्य: अवधारणा, संस्कृत वाङ्गमय में लोकोन्मुखता।

वर्तमान अभिजात साहित्य और लोक-साहित्य का अंतःसंबंध।

लोक-साहित्य का अन्य सामाजिक विज्ञानों से संबंध।

भारत में लोक-साहित्य के अध्ययन का इतिहास।

लोक-साहित्य की अध्ययन प्रक्रिया एवम् संकलन की समस्याएँ।

इकाई-2. लोक-साहित्य के प्रमुख रूपों का वर्गीकरणः लोक-गीत, लोक-नाट्य, लोक-कथा, लोक-गाथा, लोक-नृत्य-नाट्य, लोक-संगीत।

लोक-गीतः संस्कार-गीत, व्रत-गीत, श्रम-गीत, ऋतु-गीत, जाति-गीत।

लोक-नाट्यः रामलीला, रासलीला, कीर्तनियाँ, स्वाँग, यक्षगान, भवाई संपेडा, विदेसिया, माच, भाँड, तमाशा, नौटंकी, जात्र, कथकली।

दक्षिणी गुजरात की किसी एक बोली के लोक-साहित्य का अध्ययन।

इकाई-3 .लोक-कथाः व्रत-कथा, परी-कथा, नाग-कथा, बोध-कथा, कथानक-रूढ़ियाँ अथवा अभिप्राय।

लोक-गाथाः ढोला-मारू, गोपीचंद भरथरी, नल-दमयंती, लैला-मंजनूँ, हीर-राँझा, सोहनी- महीवाल, लोरिक-चंदा, आल्हा-हरदौल।

लोक-संगीतः लोक-वाद्य तथा विशिष्ट धूनें, लोक-भाषाः लोक-सुभाषित, मुहावरे, कहावतें, पहेलियाँ।

इकाई-4.आदिवासी विद्रोह

1817 का पाइका विद्रोह, 1857 के विद्रोह में गुजरात के आदिवासियों का योगदान

चुआड़ विद्रोह, उलगुलान (मुण्डा) विद्रोह, मानगढ़ का भील विद्रोह।

अंक-विभाजन- प्रश्न 1. पठित इकाईयों से दस बहुविकल्पी प्रश्न (10×1=10 अंक)

प्रश्न 2 और 3. इकाई 1 और 2 से एक – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 अंक)

प्रश्न 4. इकाई 3 और 4 से एक – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) और (ब) (07 x 2 = 14 अंक)

सहायक ग्रंथ :

1. भारतीय लोक-साहित्य- श्याम परमार (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)
2. लोक-साहित्य-डॉ.इन्दु यादव (साहित्य रत्नालय, कानपुर)
3. कुंकणा बोली के लोक गीत-डॉ.उत्तम पटेल (शांति प्रकाशन, अहमदाबाद)
4. भोजपुरी लोक-साहित्य का अध्ययन-डॉ.कृष्णदेव उपाध्याय
5. लोकसाहित्य की भूमिका- डॉ.कृष्णदेव उपाध्याय (साहित्य भवन, इलाहाबाद)
6. लोक-जीवन और साहित्य-डॉ.रामविलास शर्मा (वनोद पुस्तक मंदिर, आगरा)
7. लोक-साहित्य और संस्कृति-दिनेश्वर प्रसाद (जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
8. लोक-साहित्यः सिद्धांत और प्रयोग-डॉ.श्रीराम शर्मा
9. लोकः परंपरा, पहचान और प्रवाह (राधाकृष्ण प्रकाशन)
10. राम लीलाः परंपरा और शैलियाँ (राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली)
11. आदिवासी शौर्य एवम् विद्रोह-संपा. रमणिका गुप्ता(राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली)
12. आदिवासी विद्रोह-केदारनाथ मीणा (अनुज्ञ बुक्स)

25/07/2020

वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय, सुरत

एम.ए. हिंदी

सेमेस्टर- 4

(2020-2021, 2021-2022, 2022-2023 के शैक्षिक वर्षों के लिए)

प्रश्नपत्र -16. हिंदी भाषा Core Course-16

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र :

इकाई-1. हिंदी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि :

प्राचीन भारतीय आर्यभाषाएँ-वैदिक तथा लौकिक संस्कृत और उनकी विशेषताएँ,
मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषाएँ- पालि, प्राकृत-शौरसेनी, अर्धमागधी, मागधी अपभ्रंश और उनकी विशेषताएँ,
आधुनिक भारतीय आर्यभाषाएँ और उनका वर्गीकरण।

इकाई-2. हिंदी की उपभाषाएँ और देवनागरी लिपि :

हिंदी का भौगोलिक विस्तार-हिंदी की उपभाषाएँ, पश्चिमी हिंदी, पूर्वी हिंदी, राजस्थानी,
बिहारी तथा पहाडी और उनकी बोलियाँ, खडीबोली, ब्रज और अवधी की विशेषताएँ।
देवनागरी लिपि-विशेषताएँ और मानकीकरण।

इकाई-3. हिंदी का भाषिक स्वरूप :

हिंदी ध्वनियों के वर्गीकरण का आधार।
हिंदी के स्वर तथा व्यंजन ध्वनियों का वर्गीकरण
हिंदी के विविध रूप-हिंदी, उर्दू, दक्खिनी, हिन्दुस्तानी।
हिंदी भाषा-प्रयोग के विविध रूप-बोली, मानक भाषा, संपर्क-भाषा, राष्ट्रभाषा,
राजभाषा, यांत्रिक भाषा। संचार-भाषा के रूप में हिंदी की उपलब्धियाँ।

इकाई-4. हिंदी कम्प्यूटीकरण :

कम्प्यूटर में हिंदी के विभिन्न प्रयोग- आंकडा-संसाधन और शब्द-संसाधन, वर्तनी-शोधक,
मशीनी अनुवाद, हिंदी भाषा-शिक्षण।

अंक-विभाजनः प्रश्न 1. पठित इकाईयों से दस बहुविकल्पी प्रश्न (10×1=10 अंक)

प्रश्न 2 और 3. इकाई 1 और 2 से एक – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 अंक)

प्रश्न 4. इकाई 3 और 4 से एक – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) और (ब) (07 x 2 = 14 अंक)

सहायक ग्रंथ :

1. हिंदी भाषा का उद्गम और विकास-डॉ.उदयनारायण तिवारी (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
2. हिंदी भाषा का इतिहास-डॉ.भोलानाथ तिवारी (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)
3. हिंदी भाषा और नागरी लिपि-डॉ.भोलानाथ तिवारी
4. भारतीय आर्यभाषा और हिंदी-सुनीतिकुमार चाटुर्ज्या (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)
5. कंप्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग-विजयकुमार मल्होत्रा
6. हिंदी और उसकी उपभाषाओं का स्वरूप-अंबा प्रसाद सुमन
7. राजभाषा हिंदी-डॉ.कैलाशचंद्र भाटिया (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)
8. राजभाषा का स्वरूप-कैलाशचंद्र भाटिया (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)
9. आर्य और द्रविड भाषा-परिवारों का संबंध-डॉ.रामविलास शर्मा (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)
10. हिंदी और उसकी उपभाषाओं का स्वरूप-अंबा प्रसाद सुमन
11. पालि भाषा और साहित्य-इंद्रचंद्र शास्त्री

25/07/2020

प्रश्नपत्र – 17. हिंदी साहित्य का इतिहास Core Course-17

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

इकाई- 1. हिंदी गद्य का उद्भव और विकास, सन् १८५७ ई. की राज-क्रांति और पुनर्जागरण।

भारतेन्दु और उनका युग, महावीरप्रसाद द्विवेदी और उनका युग, राष्ट्रीय काव्य-धारा के प्रमुख कवि, स्वच्छंदतावाद और उसके प्रमुख कवि, छायावादी काव्य-प्रमुख साहित्यकार, प्रगतिवाद की अवधारणा, प्रगतिवादी काव्य और उसके प्रमुख कवि , प्रयोगवाद, नई कविता, नई कविता के कवि, समकालीन कविता (वर्ष 2000 तक) के प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।

इकाई- 2. हिंदी उपन्यास-

प्रेमचंद पूर्व उपन्यास, प्रेमचंद और उनका युग,प्रेमचंद के परवर्ती उपन्यासकार (वर्ष 2000 तक)

हिंदी कहानी-

20वीं सदी की हिंदी कहानी

प्रमुख कहानी आंदोलन एवम् प्रमुख कहानीकार।

नाटक- हिंदी नाटक का विकास- स्वातंत्र्योत्तर युग, साठोत्तरयुग एवम् नया नाटक

प्रमुख नाट्यकृतियाँ एवम् नाटककार (वर्ष 2000 तक)

इकाई- 3. हिंदी निबंध-प्रमुख निबंधकार।

आलोचना-समकालीन हिंदी आलोचना, प्रमुख आलोचक।

हिंदी का प्रवासी साहित्य-अवधारणा एवम् प्रमुख साहित्यकार।

इकाई-4. अन्य विधाएँ- संस्मरण,रेखाचित्र, जीवनी, आत्मकथा, रिपोर्ताज का विकास।

अंक-विभाजनः

प्रश्न 1. पठित इकाईयों से दस बहुविकल्पी प्रश्न (10×1=10 अंक)

प्रश्न 2 और 3. इकाई 1 और 2 से एक – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 अंक)

प्रश्न 4. इकाई 3 और 4 से एक – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) और (ब) (07 x 2 = 14 अंक)

सहायक ग्रंथ :

1. हिंदी साहित्य का इतिहास-आचार्य रामचंद्र शुक्ल (नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी)
2. हिंदी साहित्य का इतिहास डॉ.नगेन्द्र (नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली)
3. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ-डॉ.नामवर सिंह (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
4. हिंदी साहित्य-उद्भव और विकास-डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)
5. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास-2 डॉ.गणपतिचंद्र गुप्त (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
6. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास-डॉ.रामकुमार वर्मा (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
7. हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ-डॉ.जयकिशन प्रसाद खण्डेलवाल (विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा)
8. आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास-डॉ.बच्चन सिह (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
9. हिंदी साहित्य का इतिहास-डॉ.लक्ष्मीसागर वाष्णेय (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
10. मोरिशस में हिंदी साहित्य का उद्भव और विकास-डॉ.श्यामधर तिवारी

+++++++++

Okey
25/07/2020

प्रश्नपत्र -18. भारतीय साहित्य Core Course-18

पाठ्य-पुस्तकें :

1. राधा – इला आरब महेता (गुजराती उपन्यास) हर्ष प्रकाशन, अहमदाबाद
2. आनंदमठ - बंकिमचंद्र (बंगाली उपन्यास) प्रकाशक- राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

इकाई-1. राधा – इला आरब महेता :

'राधा': पौराणिक पृष्ठभूमि पर आधारित उपन्यास ।

'राधा': जीवन संघर्ष की कथा, 'राधा' वात्सल्य प्रेम की करुण कथा,

'राधा' उपन्यास की पात्र-सृष्टि, 'राधा' में अभिव्यक्त मनःस्थिति का चित्रण,'राधा' का कथा-शिल्प।

इकाई-2. आनंदमठ - बंकिमचंद्रः

बंकिमचंद्र- औपन्यासिक यात्रा का परिचय।

'आनंदमठ' का मूल प्रतिपाद्य। 'आनंदमठ' में अभिव्यक्त क्रांतिकारी विचारधारा।

'आनंदमठ' में अभिव्यक्त संव्यासी आंदोलन और बंगाल का अकाल।

'आनंदमठ' की पात्र-सृष्टि। 'आनंदमठ' राजनीतिक उपन्यास के रूप में 'आनंदमठ' में अभिव्यक्त देश-भक्ति।

इकाई- 3. तुलनात्मक साहित्यः सामान्य परिचय, गुजराती उपन्यास साहित्य में इला आरब महेता का स्थान।

इकाई- 4. 'राधा' उपन्यास के गौण पात्रों का चित्रण, शीर्षक की सार्थकता, देश काल – वातावरण,संवाद योजना।

'आनंदमठ': का शिल्प-विधान, गौण पात्रों का चरित्र-चित्रण,देश काल –वातावरण, शार्षक।

अंक-विभाजनः

प्रश्न 1. पठित इकाईयों से दस बहुविकल्पी प्रश्न (10×1=10 अंक)

प्रश्न 2 और 3. इकाई 1 और 2 से एक – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 अंक)

प्रश्न 4. इकाई 3 और 4 से एक – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) और (ब) (07 x 2 = 14 अंक)

सहायक ग्रंथ :

1. भारतीय उपन्यास की अवधारणा और रघुवीर चौधरी का सृजन-संपा.आलोक गुप्त (पार्श्व प्रकाशन, अहमदाबाद)
2. गुजराती नवलकथा-रघुवीर चौधरी एवम् राधेश्याम शर्मा (गुजरात ग्रंथ निर्माण बोर्ड, गांधीनगर)
3. गुजराती नवलकथा मां पात्र-निरूपण-रमेश दवे
4. तुलनात्मक अध्ययनः स्वरूप और समस्याएँ-राजमल बोरा (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)
5. तुलनात्मक अध्ययनः भारतीय भाषाएँ और साहित्य-राजमल बोरा (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)
6. तुलनात्मक साहित्य-एन.ई.विश्वनाथ अय्यर (प्रभात प्रकाशन, दिल्ली)
7. भारतीय साहित्यः तुलनात्मक अध्ययन-सं.डॉ.ब्रजेश्वर वर्मा (विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा)
8. भारतीय उपन्यास परंपरा और ग्रामकेन्द्री उपन्यास- भोलाभाई पटेल (पार्श्व प्रकाशन, अहमदाबाद)
9. भारतीय साहित्य- डॉ.पाण्डेय-डॉ.अवस्थी (आशीष प्रकाशन, कानपुर)
10. बंगला साहित्य का इतिहास, भारतीय साहित्य अकादमी, दिल्ली
11. कला, साहित्य और संस्कृति-ई-एम.एस.नम्बूदरीपाद

==========

25/07/2020

प्रश्नपत्र – 19. A. आधुनिक गद्य साहित्य : Core Course-19

पाठ्य-पुस्तकें :

1. खण्डोबल्लाल-श्रीधर पराडकर (स्वराज संस्थान संचालनालय, संस्कृति विभाग,मध्यप्रदेश शासन,रवीन्द्र भवन परिसर,भोपाल-462002)
2. पाथेय-जवाहरलाल कौल (प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली)

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

इकाई-1. खण्डोबल्लाल-श्रीधर पराडकर

खण्डोबल्लाल : कथ्य-योजना, स्वराज की स्थापना और खण्डोबल्लाल

खण्डोबल्लाल : स्वराज के लिए स्वजनों का बलिदान देनेवाले चरित्र नायक

संभाजी राजे का चरित्र-चित्रण

खण्डोबल्लाल : कथा-शिल्प और भाषा।

इकाई-2. पाथेय-जवाहरलाल कौल

निम्नलिखित निबंधों का प्रतिपाद्य, विश्लेषण एवम् भाषा-शैली के आधार पर अध्ययन-

1. जब दासी भी विद्रोह कर देती है
2. मिथक तोड़ने का समय आ गया है
3. हम, अंग्रेज और पश्चिमी सभ्यता
4. मानस के दर्पण में कैलाश का स्फटिक
5. योगी अरविंद की भविष्य दृष्टि
6. भारतीय संस्कृति के रक्षक थे महात्मा बुद्ध
7. प्रकृति की कोख में जन्मी है भारतीय संस्कृति।

इकाई-3. श्रीधर पराडकर का मराठी उपन्यास साहित्य में योगदान

स्वातंत्र्योत्तर मराठी उपन्यासों में शौर्य-गाथा।

इकाई-4. हिंदी निबंधः उद्भव और विकास।

हिंदी निबंध साहित्य में जवाहरलाल कौल का स्थान।

अंक-विभाजनः

प्रश्न 1. पठित इकाईयों से दस बहुविकल्पी प्रश्न (10×1=10 अंक)

प्रश्न 2 और 3. इकाई 1 और 2 से एक – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 अंक)

प्रश्न 4. इकाई 3 और 4 से एक – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) और (ब) (07 x 2 = 14 अंक)

सहायक ग्रंथ :

1. हिन्दी उपन्यास : समकालीन परिदृश्य - सं. डा. महीप सिंह
2. आधुनिक हिन्दी उपन्यास : सं. डा. नरेन्द्र मोहन
3. साठोत्तर हिन्दी साहित्य का परिप्रेक्ष्य -सं. हिन्दी-विभाग, पुणे विधापीठ, पुणे।
4. साहित्य परिक्रमा-डॉ.शिवकुमार पांडे,अक्टूबर-2012
5. इंगित-लखनलाल खडे-अवधेशचंद सिसोदिया

==========

25/07/2020

अथवा

प्रश्नपत्र- 19. B. हिंदी उपन्यास Core Course-19

पाठ्य-पुस्तकें : 1. पत्ताखोर-मधु कांकरिया (राजकमल प्रकाशन, इलाहाबाद)
2. गायब होता देश-रणेन्द्र (पेंगईन बुक्स, गुड़गांव-122 022)

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

इकाई- 1. 'पत्ताखोर' : युवाओं में बढ़ती नशे और ड्रग्स की लत पर आधारित उपन्यास
'पत्ताखोर' मुख्य पात्र-आदित्य, वनश्री,राशि एवम् हेमन्त बाबू
'पत्ताखोर' : कथ्य एवम् शिल्प की दृष्टि से मूल्यांकन

इकाई- 2. गायब होता देश-रणेन्द्र :
'गायब होता देश' : आदिवासी जीवन का दस्तावेज
'गायब होता देश' में चित्रित संकट, संघर्ष और आधुनिकता ।
'गायब होता देश' में भूमंडलीकरण के शिकार आदिवासी
'गायब होता देश' के मुख्य-किशन विद्रोही,सोमेश्वर पहान,अनुजा पहान एवम् गौण पात्रों का चरित्र-चित्रण।

इकाई- 3 . स्वातंत्र्योत्तर हिंदी उपन्यास: उद्भव और विकास यात्रा
'पत्ताखोर' के गौण पात्र-श्यामा, सहदेव,गीता, कालिदास एवम् मिताली।
'पत्ताखोर' शीर्षक की सार्थकता
'पत्ताखोर' की संवाद योजना एवम् भाषा-शैली।

इकाई- 4. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी उपन्यास के प्रकार एवं विशेषताएँ |
'गायब होता देश' में 'मेगालिथों' प्रसंग
'गायब होता देश' का उद्देश्य
'गायब होता देश' की भाषा-शैली
'गायब होता देश' में देश,काल और वातावरण।

अंक विभाजन:

प्रश्न 1. पठित इकाईयों से दस बहुविकल्पी प्रश्न (10×1=10 अंक)
प्रश्न 2 और 3. इकाई 1 और 2 से एक – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 अंक)
प्रश्न 4. इकाई 3 और 4 से एक – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) और (ब) (07 x 2 = 14 अंक)

सहायक ग्रंथ :

1. मधु कांकरिया का रचना-संसार-उषा कीर्ति राणावत, शैलजा प्रकाशन, कानपुर
2. रोहिणी अग्रवाल का आलेख 'झोपड़पट्टी में धड़कती ज़िन्दगी और उलझती समस्याएं ' PAHLEEBAR.WORDPRESS.COM/PAGE/12
3. दसवें दशक के हिंदी उपन्यासों में सांप्रदायिक सौहार्द-मंजुला राणा (वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली)
4. समकालीन उपन्यासों का वैचारिक पक्ष- डॉ.अर्जुन चौहाण
5. हिन्दी उपन्यास का विकास-मधुरेश
6. हिन्दी उपन्यास : समकालीन परिदृश्य - सं. डॉ. महीप सिंह
7. आधुनिक हिन्दी उपन्यास : सं. डा. नरेन्द्र मोहन

==========

25/07/2020

प्रश्नपत्र- 20. पत्रकारिता – प्रशिक्षण Core Course- 20

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

इकाई-1. विश्व पत्रकारिता का उदय, भारत में पत्रकारिता का प्रारंभ।
प्रजातांत्रिक व्यवस्था में चतुर्थ स्तंभ के रूप में पत्रकारिता का दायित्व।

इकाई-2 . समाचारपत्रों के विभिन्न स्तंभों की योजना, समाचार के विभिन्न स्रोत।
दृश्य-सामग्री (कार्टून, रेखाचित्र, गैफिक्स) की व्यवस्था और फोटो पत्रकारिता।
पत्रकारिता से संबंधित लेखन-संपादकीय, साक्षात्कार, खोजी समाचार, अनुवर्तन (फॉलोअप) आदि की प्रविधि।

इकाई-3 इलैक्ट्रॉनिक मीडिया की पत्रकारिता-रेडियो, टी.वी., वीडियो, केबल, मल्टी मीडिया और इंटरनेट की पत्रकारिता, प्रिंट पत्रकारिता और मुद्रण-कला, प्रूफ शोधन, ले आउट तथा पृष्ठ सज्जा।
पत्रकारिता का प्रबंधन-प्रशासनिक व्यवस्था, बिक्री तथा वितरण व्यवस्था।

इकाई-4 . मुक्त प्रेस की अवधारणा, लोक-संपर्क तथा विज्ञापन, प्रसार-भारती तथा सूचना प्रौद्योगिकी ।

अंक -विभाजन-

प्रश्न 1. पठित इकाईयों से दस बहुविकल्पी प्रश्न (10×1=10 अंक)
प्रश्न 2 और 3. इकाई 1 और 2 से एक – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 अंक)
प्रश्न 4. इकाई 3 और 4 से एक – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) और (ब)(07 x 2 = 14 अंक)

सहायक ग्रंथ :

1. हिंदी पत्रकारिता का बृहद् इतिहास-अर्जुन तिवारी (वाणी प्रकाशन)
2. हिंदी पत्रकारिताः स्वरूप और संदर्भ-विनोद गोदरे (वाणी प्रकाशन)
3. इलैक्ट्रॉनिक मीडिया-पी.के.आर्य (प्रभात प्रकाशन,नई दिल्ली)
4. फीचर लेखनः स्वरूप और शिल्प- डॉ.मनोहर प्रभाकर(राधाकृष्ण प्रकाशन)
5. समाचार संपादन-कमल दीक्षित, महेश दर्पण (राधाकृष्ण प्रकाशन)
6. पत्रकारिताः विविध विधाएँ-डॉ.राजकुमारी रानी (जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
7. पत्रकारिताः मिशन से मीडिया तक-अखिलेश मिश्र (राजकमल प्रकाशन, दिल्ली)
8. भारतीय इलैक्ट्रॉनिक मीडिया-देवव्रत सिंह (प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली)
9. रेडियो और दूरदर्शन पत्रकारिता-डॉ.हरिमोहन
10. संपादन कला एवम् प्रूफ पठन-डॉ.हरिमोहन
11. स्वाधीनता-आंदोलन और स्त्री-मुक्ति-संघर्ष में 'चाँद' का योगदान-डॉ.ज्योति सिंह (उत्कर्ष प्रकाशन, दिल्ली)
12. आधुनिक विज्ञापन और जन संपर्क - डॉ.तारेश भाटिया
13. पत्रकारिता में अनुवाद की समस्याएँ-डॉ.भोलानाथ तिवारी

==========

25/07/2020